an>

Title: Need to provide sufficient funds for Gosikhurd irrigation project in Maharashtra.

श्री अशोक महादेवराव नेते (गढ़चिरोली-चिमुर): महाराष्ट्र राज्य के चन्द्रपुर, नागपुर, भण्डारा इत्यादि क्षेत्रों की भूमि को सिंचित किए जाने के उद्देश्य से विदर्भ क्षेत्र के अंतर्गत भण्डारा जिले में "गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना" वर्ष 1981 में प्रारंभ की गई थी। इस परियोजना का निर्माण कार्य बहुत ही धीमी गति से होने के कारण अब तक पूर्ण नहीं हो सका है जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र का विकास अवरूद्ध होना स्वाभाविक है। जिस समय यह परियोजना प्रारंभ की गई थी, उस समय इसकी अनुमानित लागत 372.22 करोड़ रूपये थी, जो आज लगभग 40 गुना बढ़कर 15 हजार करोड़ रूपये हो गई है। परियांजना का निर्माण कार्य समय पर पूरा न होने का एक प्रमुख कारण इस परियोजना के लिए आवंटित धनराशि को दूसरे कार्यों में व्यय करना है।

मेरा संसदीय क्षेत्र गड़चिरोली-चिमुर (महाराष्ट्र) एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र के चन्द्रपुर जिले के तीन विधान सभा क्षेत्र जो अति पिछड़ हुए हैं और खेती पर ही आश्रित हैं, को भी "गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना" से जल प्राप्त होना था लेकिन परियोजना का कार्य समय पर पूरा न होने के कारण किसान अपनी भूमि को पानी के अभाव में सिंचित नहीं कर पा रहे हैं और वर्षा न हो पाने तथा इस परियोजना का कार्य अवरूद्ध होने की वजह से स्थानीय किसानों में और अधिक आक्रोश उत्पन्न हो रहा है।

अतः ऐसी परिस्थिति में मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह केन्द्रीय स्तर पर इस प्रकरण की जाँच करवाए कि "गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना" को अब तक कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा इस धनराशि को किन-किन मदों में व्यय किया गया है और इस परियोजना में किन कारणों से विलंब हो रहा है। साथ ही केन्द्र सरकार इस परियोजना को पूरा किए जाने हेतु तत्काल धन का आवंटन करके इस परियोजना का कार्य तुरंत पूर्ण कराए जिससे किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल सके।